तेरी जय जय शेराँ वालिए

तेरी जय जय, शेराँ वालिए xll-ll
*"कर किरपा, मेहरां वालिए" ।
तेरी जय जय, शेराँ वालिए xll-ll

तूँ ही दुर्गा, तूँ ही काली ।
सबके काज, सवांरने वाली ।
*सबकी पार, लगाए नैया ।
*बन जाती माँ, आप खवईया ।
सबकी बिपता, टाली ए*...
तेरी जय जय, शेराँ वालिए.....

तेरा दर, मुक्ति का द्वारा ।
सबसे सुँदर, सबसे न्यारा ।
*जगदम्बे, तेरी शान निराली ।
*बाँट रही, सबको खुशहाली ।
भक्तों की, रखवाली ए*.....
तेरी जय जय, शेराँ वालिए.....

बच्चड़े तेरे, दर पे आए ।
बैठे हैं, झोली फैलाए ।
*सबकी आशा, पूरी करदे ।
*सबके माँ, भण्डारे भरदे ।
चंचल झंडे, वालीए*...
तेरी जय जय, शेराँ वालिए.....

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

स्वर : नरेन्द्र चंचल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23229/title/teri-jai-jai-shera-waliye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |